



Var.

Vadhu

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119264401

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
8-09/08/1994 :	जन्म तिथि	: 26-27/06/1995
सोम-मंगलवार :	दिन	: सोम-मंगलवार
घंटे 03:55:00 :	जन्म समय	: 03:07:00 घंटे
घटी 56:03:33 :	जन्म समय(घटी)	: 54:53:35 घटी
India :	देश	: India
Gonda :	स्थान	: Gonda
27:08:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:08:00 उत्तर
81:58:00 पूर्व :	रेखांश	: 81:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:02:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:02:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:29:34 :	सूर्योदय	: 05:09:33
18:45:32 :	सूर्यास्त	: 19:00:02
23:47:09 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:47:48
कर्क :	लग्न	: वृष
चन्द्र :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
सिंह :	राशि	: वृष
सूर्य :	राशि-स्वामी	: शुक्र
मघा :	नक्षत्र	: मृगशिरा
केतु :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
4 :	चरण	: 2
परिघ :	योग	: गण्ड
कौलव :	करण	: शकुनि
मे-मेहर :	जन्म नामाक्षर	: वो-वोहिनी
सिंह :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कर्क
क्षत्रिय :	वर्ण	: वैश्य
वनचर :	वश्य	: चतुष्पाद
मूषक :	योनि	: सर्प
राक्षस :	गण	: देव
अन्त्य :	नाड़ी	: मध्य
मूषक :	वर्ग	: मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 5मा 25दि
चन्द्र

02/02/2021

02/02/2031

चन्द्र	03/12/2021
मंगल	04/07/2022
राहु	03/01/2024
गुरु	04/05/2025
शनि	03/12/2026
बुध	04/05/2028
केतु	03/12/2028
शुक्र	03/08/2030
सूर्य	02/02/2031

अंश

01:07:23
22:20:48
12:24:29
01:01:04
17:50:43
13:02:00
07:36:26
16:56:56
25:44:20
25:44:20
29:41:41
27:31:13
01:29:42

राशि

कर्क
कर्क
सिंह
मिथु
कर्क
तुला
कन्या
कुंभ
तुला
मेष
धनु
धनु
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु
केतु
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

वृष
मिथु
वृष
सिंह
वृष
वृश्चि
वृष
मीन
तुला
मेष
मक
मक
वृश्चि

अंश

10:16:17
11:00:56
28:38:15
22:19:46
19:33:36
13:42:27
25:58:08
00:52:51
10:05:19
10:05:19
05:39:09
00:54:04
04:29:28

विंशोत्तरी

मंगल 4वर्ष 2मा 17दि
गुरु

13/09/2017

13/09/2033

गुरु	01/11/2019
शनि	14/05/2022
बुध	19/08/2024
केतु	26/07/2025
शुक्र	26/03/2028
सूर्य	12/01/2029
चन्द्र	14/05/2030
मंगल	20/04/2031
राहु	13/09/2033

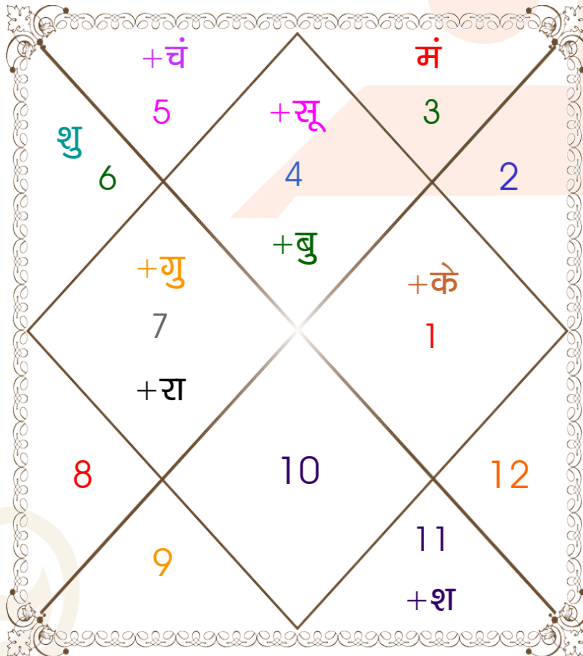
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

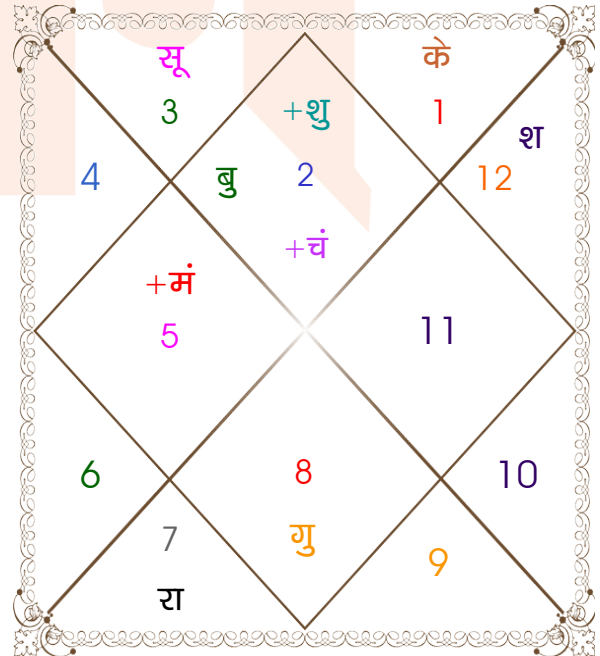
राहु : स्पष्ट

23:47:09 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:48

लग्न-चलित



लग्न-चलित



ADI SHANKAR VAIDIK VIDYA SANSTHAN

S-313, SHAKTI NAGAR, INDIRA NAGAR, LUCKNOW 226016

9044016661

dindayalmani@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

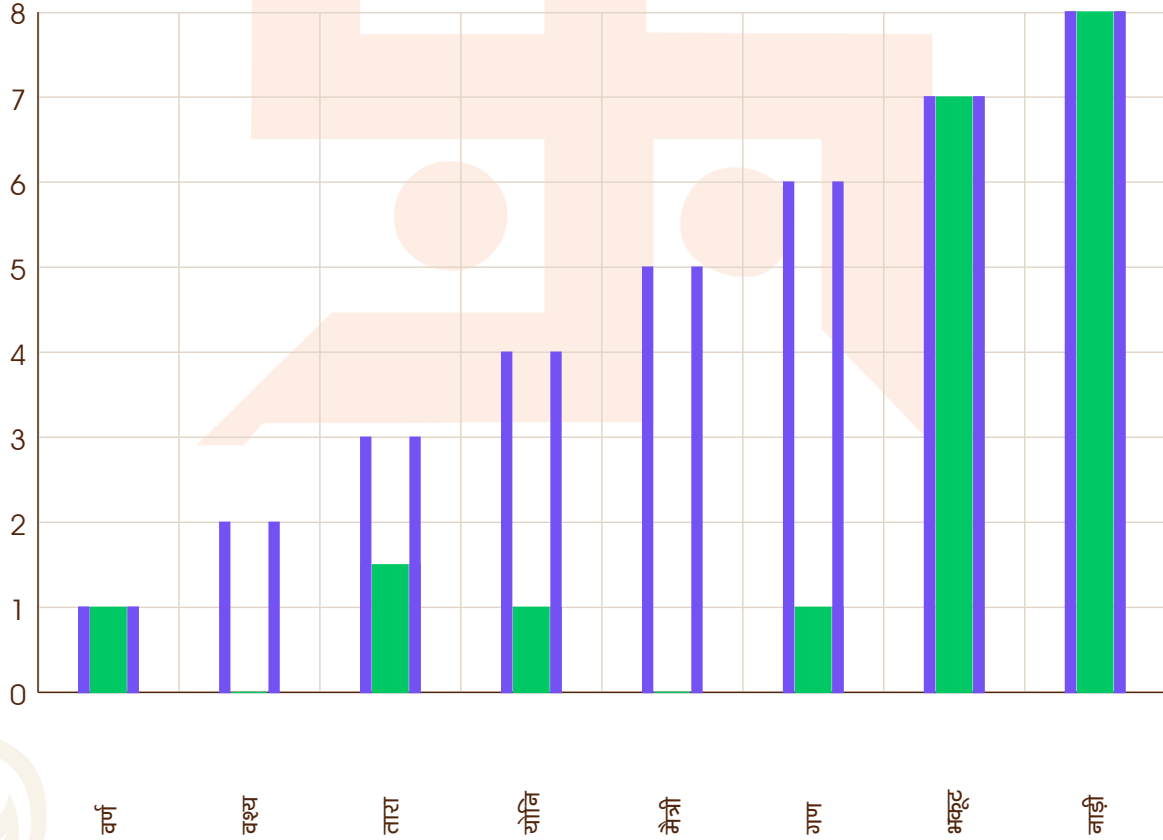
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

19.50

कुल : 19.5 / 36



अष्टकूट मिलान

Var. का वर्ग मूषक है तथा Vadhu का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Var. और Vadhu का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Var. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Var. कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Vadhu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Vadhu कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Var. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Var. तथा Vadhu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Var. का वर्ण क्षत्रिय तथा Vadhu का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Vadhu आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Vadhu की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

Var. का वश्य वनचर है एवं Vadhu का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर हमेशा चतुष्पद के लिए खतरा होता है। जब भी वनचर को मौका मिलता है वह चतुष्पद को अपना शिकार बना लेता है। वनचर Var. एवं चतुष्पद Vadhu का विवाह अच्छा साबित होने में संदेह है। Var. निर्दयी, क्रूर, वर्चस्वशाली एवं चतुर होगा तथा अपनी पत्नी को नौकरानी की भांति समझेगा। वह Vadhu को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं चूकेगा। अक्सर वह अपनी पत्नी के साथ क्रूर व्यवहार कर सकता है तथा संभव है Vadhu को अक्सर उसका दुर्व्यवहार सहना पड़े।

तारा

Var. की तारा साधक तथा Vadhu की तारा प्रत्यरि है। Vadhu की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Var. एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Vadhu का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Vadhu के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Var. अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Var. की योनि मूषक है तथा Vadhu की योनि सर्प है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि

होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Var. एवं Vadhu दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण Var. एवं Vadhu के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी Var. एवं Vadhu को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

Var. का गण राक्षस तथा Vadhu का गण देव है। अर्थात् Vadhu का गण Var. के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Var. निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Var. का Vadhu के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Vadhu हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Var. से Vadhu की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Vadhu से Var. की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Var. एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Vadhu को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Vadhu हमेशा अपने पति की परछाई बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Var. की नाड़ी अन्त्य है तथा Vadhu की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं।

जिसके कारण दम्पति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।



ADI SHANKAR VAIDIK VIDYA SANSTHAN

S-313, SHAKTI NAGAR, INDIRA NAGAR, LUCKNOW 226016

9044016661

dindayalmani@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Var. की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह राशि है तथा Vadhu की पृथ्वी तत्व युक्त वृष राशि है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं पृथ्वी तत्व के मध्य विषमता का भाव रहता है। अतः Var. और Vadhu के मध्य स्वभावगत असमानताओं के कारण मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर उनके परस्पर विवाद तथा मतभेद उत्पन्न होते रहेंगे।

Var. की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा Vadhu की जन्म राशि का स्वामी शुक्र परस्पर शत्रु है। अतः इसके प्रभाव से Var. और Vadhu का दाम्पत्य संबंध अच्छा नहीं रहेगा। इनकी प्रवृत्ति परस्पर विवाद एवं वैमनस्य के भाव से युक्त होगी तथा एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। फलतः संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण समर्पण एवं सहयोग की भावना में न्यूनता रहेगी फलतः दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं रहेगा।

Var. और Vadhu की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट है अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आ सकती है तथा परस्पर सामंजस्य स्थापित करके आनंद के कुछ क्षणों की अनुभूति करने में समर्थ हो सकते हैं। साथ ही जीवन में सुख संसाधनों की प्राप्ति करके उनके उपभोग करने में भी Var. और Vadhu को सफलता प्राप्त होगी।

Var. का वश्य वनचर तथा Vadhu का वश्य चतुष्पद है नैसर्गिक रूप से वनचर एवं चतुष्पद में असमानता का भाव होता है अतः Var. और Vadhu की अभिरुचियां अलग अलग होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को काम चेष्टाओं में भी प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Var. का वर्ण क्षत्रिय तथा Vadhu का वर्ण वैश्य है। Var. की प्रवृत्ति साहसी एवं पराक्रमी कार्यों को करने की रहेगी तथा Vadhu व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगी। साथ ही धनार्जन के प्रति हमेशा प्रवृत्त रहेंगी।

धन

Var. और Vadhu की तारा सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। इन पर भकूट का प्रभाव भी सम ही होगा लेकिन Var. पर मंगल का अशुभ प्रभाव रहेगा जिसके प्रभाव से समय समय पर आर्थिक उतार चढ़ाव का सामना कर सकते हैं। साथ ही लाभ एवं आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे।

इसके अतिरिक्त Var. की प्रवृत्ति अनावश्यक रूप से व्यय करने की भी होगी जिसका आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अतः उन्हें चाहिए कि अनावश्यक व्यय की

इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखें तभी उनकी आर्थिक स्थिति अनुकूल रह सकती है।

स्वास्थ्य

Var. अन्त्य तथा Vadhu का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं रहेगा तथा जीवन में गभीर खतरों से ये सुरक्षित रहेंगे। लेकिन मंगल का Var. और Vadhu दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे दोनों धातु या गुप्त संबंधी रोगों से परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही Var. की संभोग शक्ति में शिथिलता एवं हृदय संबंधी रोग भी उत्पन्न हो सकता है। उन्हें मूत्र संबंधी कष्ट की भी उन्हें प्राप्ति होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक कलह तथा अशांति होगी। अतः इसके प्रभाव को कम करने के लिए Var. और Vadhu को हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Var. और Vadhu का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Var. और Vadhu के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Vadhu के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Vadhu को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Vadhu को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Var. और Vadhu सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमत्ता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Var. और Vadhu का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Vadhu के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Vadhu अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामंजस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी

प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबंध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Vadhu पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Vadhu अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबंधों में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Var. के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Var. अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Var. के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Var. के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।